श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

मकर संक्रांति साधना १४-०१-२०२६

सूर्य साधना: यह साधना सूर्य को प्रसन्न करने एवं अक्षय कीर्ति और समस्त कार्यो में पूर्ण सफलता प्राप्त करने के लिए अत्यन्त अनुकूल है |

विनियोग:

अस्य सूर्य मंत्रस्य भृगु ऋषि:, गायत्री छन्द:,दिवाकरो देवता, ह्रीं बीजम् श्रीं शक्ति:, दृष्टादृष्ट फल सिद्धये जपे विनियोग: (जल पत्र मे छोडे)

द्यान:

रक्ताब्ज युग्माभय दान हस्तं |

केयूर हारांगद कुंडलाढ्यम् |

माणिक्य मौलिं दिननाथ मीडे |

बंधूक कांति विलसत्त्रिनेत्रम् ||

विधान: साधक या साधिकाये स्नान आदि से निवृत होकर सफेद वस्त्र धारण कर पूर्व दिश की ओर बैठे और सामने गुरु चित्र और सूर्य चित्र/यंत्र लगाकर या प्रत्यक्ष सूर्य का पंचोपचार का पूजन करे ,गुरु मंत्र का जप कर , निम्न साधन प्रारंभ करे | विद्युत माला से १०० माला एक या तीन या पांच दिन में करे |

मंत्र: || ॐ ह्रीं घृणिः सूर्य्य आदित्य श्रीं ||

सामाग्री: सूर्य चित्र/यंत्र या प्रत्यक्ष सूर्य , विद्युत माला

जप संख्या: १०० माला

****